①

Code no: 11

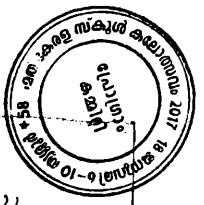

# "सबके साथ सबका विकास"

भारत एक स्वतंत्र राज्य है। इसलिए वो हर साल विकास की सीड़ी को चड़ते जा रहा है। विकास के बिना हमारा जीवन कुछ नहीं है। लोग हर दिन विकास प्राप्त कर रहा है। विकास का मतलब क्या है? उसका मतलब कोई ठीक-ठाक से नहीं समझ पा रहा है। विकास सबके आवश्य के लिए होता है। पर आज के जनता वो विकास का दुरुपयोग कर रहा है। आज के ज़माने के लड़कियों के कपड़े नये फाशन के है। क्या ~~कप~~ कपड़े फाशन दिखाने के लिए पहनते है? कपड़े सबके शरीर को छिपाने के लिए पहनते है। क्या इस स्थिती को विकास कहते है। लोग कहते है की हमे ज़माने और आज के फाशन के अनुसार जीना चाहिए। पर संसार में ऐसे भी लोग है जिने ~~के~~ उनके शरीर छिपाने केलिए थोड़ा सा भी कपड़े नही है। हमें ज़माने के विकास के अनुसार हमें

भी ~~क~~ विकास को अपनाना चाहिए। पर सिर्फ अपने आवश्य के लिए। पुराने ज़माने में लोग वार्तालाप करने के लिए चिट्ठी भेजते थे। पर ~~क~~ मोबैल के आने से सब ने चिट्ठी लिखने का आदत छोड़ दिया। अब मिन्टों में दो व्यक्तियों के बीच वार्तालाप हो जायेगा। और पुराने ज़माने में लोग चलकर यात्रा करते थे। अब सब लोग गाडी में यात्रा करता है। पुराने ज़माने का लोग बड़े तंदरुस्त थे। क्योंकी वो चलते थे। आज गाडी के इस्तेमाल से हम प्रकृती को ~~चूषण~~ चूषण कर रहे हैं। नये- नये चीज़ों के आने से हमारा भारत विकास के हर सीढ़ी चढ़ता जा रहा है। हमे सिर्फ विकास के आधार पर नहीं जीना चाहिए। हम सब अपने कर्तव्य पर ध्यान देकर उसको निबाना चाहिए। सब विकास से अच्छे को ले आना चाहिए। कोई विकास को ठीक से समझ नहीं रहा है। ~~विसक~~ विकास के कोनों भविष्य देखकर हमें विकास को प्राप्त करना चाहिए। सब अच्छे करने से हमारा कुछ नहीं बिगड़नेवाला। कुछ लोगों को विकास से उनके जीवन नष्ट हो रहा है।

② Code no: 11

[stamp]

सरकार के कुछ प्रवर्तन से कुछ लोगों को उनका घर और ज़मीन नष्ट हो रहा है। श्री नरेश सक्सेना की 'इस बारिश में' कविता इस विकास और बुराई को दिखाता है। विकास से सबका अच्छा होना चाहिए। पुराने ज़माना बड़े दुख भरी थी। उसके और हम मुड़कर हम निरीक्षण करे तो आज के ज़माना ही बेहतर है। हमारे कलोलसवम 58 साल हो चुका है। उसमें कई विकास हो चुका है। इस साल बहुत कुछ विकास पाया है हमने। सबके साथ ही हमें आगे बढ़ना चाहिए। हम किसी ~~का~~ को हमारे विजय केलिए उसके सामने हाथ जोड़ना नहीं चाहिए। हमारे केरल बहुत कुछ विकास पाया है। उनमें एक है मेट्रो। चलते यात्रा करनेवाले पुराने ज़माने के लोग से अधिक धन्यास है ये। विकास पाना एक अच्छी बात है। वो ऐसा ही चलता रहेगा। उसे हम रुका नहीं सकते। हमारे बढ़ने केलिए विकास बहुत ~~कुछ~~ आवश्य है। विकास केलिए खूब सारा पैसा खर्च करने का आदत रोक दो। इसकेलिए हमारे हाथों को जोड़कर एक साथ आगे बढ़ो। विकास को प्राप्त करो।